भजन

तर्ज– आ प्यार के रंग भरें

हक रसना में रस जो भरे हैं,क्या कहें अल्फाजों में
पिया करते रूह सो बातें–2,गुझ इशारों में

1– जिसने रूह को जगाया,प्रीतम की वाणी ये
मीठी मीठी प्यारी बातें,प्यारी रूह सो करते हैं
मेहंदी खेल में तोतला है,गुझ भेदों को खोला है
अपने ही अन्दाजों में,हक रसना..

2– रस रसीली रसना खसम की
सुख सुख में कई सुख देवें
जागी अरवाह जो होवे अर्श की
प्रीतम के ये गुण समझें
ये इलम इलाही है,दुनियां समझ न पाई है
मिलता है क्या,इन आवाजों में

3– जिनका हर अंग इश्क से भरा है
कैसी होगी उनकी जुबां
चितवन में सुख जो देवें
अनुभव कैसे होगा ब्यां
ये इश्क सुराही है,प्रीतम ने पिलाई है
अपने ही अंदाजों में